वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 288 | गुरुवार 15 फरवरी 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

श्री गलता पीठ में मनाया बसन्त पंचमी महोत्सव

ठाकुर जी ने धारण किये पीले पोशाक, पीले व्यंजनों का भोग लगाया

जयपुर. कासं। श्री गलता जी में बुधवार को बसंत पंचमी महोत्सव मनाया गया। गलतापीठाधीश्वर स्वामी अवधेशाचार्य महाराज की उपस्थिति में कई धार्मिक कार्यक्रम हुए।इस दौरान भगवान को पीले पोशाक के साथ पीले व्यंजनों का भोग भी लगाया गया। श्री गलता पीठ के युवराज स्वामी राघवेन्द्र ने बताया- बसंत पंचमी पर श्री गलता पीठ में विराजमान श्री सीताराम जी, श्री रघुनाथ जी, श्री श्रीनिवास जी, श्री रामकुमार जी, श्री नृत्यगोपाल जी, श्री रामगोपाल जी, श्री अखण्ड ज्योत हनुमान जी और श्री ज्ञानगोपाल जी, श्री रामानुजाचार्य जी के विग्रहों को सुबह पीले रंग की पोशाक धारण कराई गयी। इसके बाद वैदिक विधि से भगवान की पूजा अर्चना कर उनको पीले व्यंजनों का भोग लगाया गया। उन्होंने बताया- श्री गलता पीठ की ओर से संचालित श्री रामानुज वेदान्त गुरुकुल का वार्षिकोत्सव भी मनाया गया। इस अवसर पर गुरुकुल के प्राचार्य बालमुकुन्दाचार्य और विद्यार्थियों ने गलतापीठाधीश्वर स्वामी अवधेशाचार्य महाराज को शाष्टांग कर स्वस्ति वाचन किया। इसके बाद वैदिक मंत्रोच्चार के साथ सरस्वती पूजन किया गया। गुरुकुल के विद्यार्थियों ने इस दौरान विभिन्न प्रस्तुतियां भी दी।

नई शिक्षा नीति से देश के उज्ज्वल भविष्य का निर्माण

राजस्थान सरकार महिला सशक्तिकरण की लिख रही नई इबारतः दीया कुमारी

जयपुर. कासं

उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और विजन से तैयार नई शिक्षा नीति देश के उज्ज्वल भविष्य निर्माण में सार्थक साबित होगी। उन्होंने कहा कि इसी प्रकार राजस्थान सरकार द्वारा भी बालिका शिक्षा और उनके कल्याण के लिए नई योजनाएं लागू की जा रही है। उन्होंने कहा कि राजस्थान सरकार योजनाओं के माध्यम से महिला सशक्तिकरण की नई इबारत लिख रही है। उन्होंने बेटियों का आवाहन किया कि वे असंभव शब्द को अपनी डिक्शनरी से हटाकर नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़े और राजस्थान का नाम रोशन करें। उप मुख्यमंत्री ने बुधवार को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित बालिका शिक्षा प्रोत्साहन एवं पाठ्य पुस्तक मण्डल स्वर्ण जयंती समारोह की मुख्य अतिथि के रूप में अपने सम्बोधन में उक्त विचार व्यक्त किए। उन्होंने बालिकाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि सौ प्रतिशत प्रयास करने से निश्चित ही सफलता मिलती है। उन्होंने कहा कि पहले की तरह अब लोगों को जूझना नहीं पड़ता। आधुनिक तकनीक के युग में कंप्यूटर, मोबाइल और गूगल, इंटरनेट ने जीवन को आसान बना दिया है। दीया कुमारी ने कहा कि केंद्र सरकार की ओर से नई शिक्षा नीति, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजनाओं, सुकन्या योजनाओं व बालिका समृद्धि योजना, उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदन योजना जैसी कई योजनाएं चल रही हैं। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा बालिका शिक्षा व महिला सशक्तिकरण के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। राजस्थान सरकार भी शिक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। इस साल के बजट में अल्प आय वर्ग, किसानों और खेती और श्रमिकों के परिवारों के छात्र-छात्राओं को केजी से पीजी तक निःशुल्क शिक्षा देने का निर्णय लिया गया है। शिक्षण संस्थानों के भवनों की मरम्मत, कक्षा कक्ष, बालिका शौचालय, छात्रावास हेतु 250 करोड रुपए का प्रावधान किया गया है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के बजट में कक्षा एक से आठवीं तक के विद्यार्थियों तथा कक्षा 9 से 12वीं तक की छात्र-छात्राओं को स्कूल बैग, किताबों व यूनिफार्म के लिए प्रति विद्यार्थी 1000 रुपए देने की घोषणा भी हमने की है। दीया कुमारी ने कहा कि लाडो प्रोत्साहन योजना के तहत गरीब परिवार की बालिकाओं के जन्म पर एक लाख रुपए का सेविंग बॉन्ड तथा लखपति दीदी योजना में 5 लाख परिवारों की आय को एक लाख रुपए वार्षिक तक ले जाने का कार्य किया जाएगा। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मातृ वंदन योजना की राशि को 5000 रुपए से बढ़ाकर 6500 किया गया है। उन्होंने कहा कि पिछले दिनों महिला सुरक्षा एक चिंता का विषय रही है, इसको ध्यान में रखते हुए लाडली सुरक्षा योजना के तहत सार्वजनिक स्थानों पर बालिका छात्रावास व नारी निकेतनों में सीसीटीवी कैमरे लगाए जाने का निर्णय लिया गया है।

लोकसभा-प्रभारियों की बैठक में नहीं पहुंची दीया और 10 मंत्री

राजस्थान में हफ्तेभर बाद शुरू होंगे केंद्रीय नेताओं के चुनावी दौरे, 20 फरवरी को शाह आएंगे

जयपुर. कासं। लोकसभा चुनावों के मद्देनजर लोकसभा प्रभारी, सह प्रभारी और संयोजकों की नियुक्ति के बाद बुधवार को प्रदेश कार्यालय भाजपा की पहली बैठक हुई। इस बैठक में उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी और 10 मंत्री नहीं पहुंचे। बैठक में नहीं पहुंचने वाले मंत्रियों में किरोड़ीलाल मीणा, गजेन्द्र सिंह खींवसर, संजय शर्मा, जवाहर सिंह बेढ़म, कन्हैयालाल चौधरी, विजय सिंह, जोराराम कुमावत, हेमंत मीणा, बाबूलाल खराड़ी और ओटाराम देवासी शामिल है। इनमें मंत्री बाबूलाल खराड़ी, किरोड़ीलाल मीणा और हेमंत मीणा डूंगरपुर में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के कार्यक्रम में मौजूद होने की वजह से बैठक में नहीं पहुंच सके। बैठक में लोकसभा चुनावों की आगामी रणनीति को लेकर चर्चा हुई। इसमें तय हुआ है कि 20 फरवरी से प्रदेश में लोकसभा वार केंद्रीय नेताओं के दौरे शुरू होंगे। वहीं, विधानसभावार प्रदेश के नेताओं के दौरे होंगे। लोकसभा चुनावों के मद्देनजर एक बार फिर प्रदेश में केंद्रीय नेताओं के दौरे होंगे। इसकी शुरूआत बीकानेर से होगी। बीकानेर क्लस्टर की तीन लोकसभा सीटों पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का 20 फरवरी को दौरा होगा। श्रीगंगानगर-हनुमानगढ़ लोकसभा सीट के प्रभारी मंत्री सुमित गोदारा ने बताया कि लोकसभा चुनावों के मद्देनजर केंद्रीय नेताओं दौरों की शुरूआत बीकानेर से होगी। इसके बाद उत्तरप्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य का लोकसभावार दौरा होगा। गौरतलब है कि पार्टी ने प्रदेश की 25 लोकसभा सीटों को 8 क्लस्टर में बांटकर उनके इंचार्ज तय किए हैं। बीकानेर क्लस्टर में बीकानेर, श्रीगंगानगर और चुरू लोकसभा सीट को रखा गया है। बीकानेर क्लस्टर के इंचार्ज और पूर्व प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया ने कहा कि लोकसभा चुनावों के मद्देनजर कोई भी ऐसी सीट नहीं होगी, जहां बीजेपी के नेता नहीं पहुंचेंगे।

पंचकल्याणक केवलज्ञान कल्याणक महोत्सव मनाया, भगवान की आहारचर्या हुई, नवीन वेदियों में आज भगवान विराजमान हों...

ऋषभदेव. शाबाश इंडिया

नगर में चल रहे श्रीमद आदिनाथ एवं चौबीसी जिनेन्द्र पंचकल्याणक महोत्सव में बुधवार को केवलज्ञान कल्याणक महोत्सव मनाया गया। इस मौक पर भगवान की आहारचर्या व अन्य धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। गुरुवार को गुरुकुल दिगम्बर मंदिर में रखी वेदियों में भगवान को विराजमान किया जाएगा। वेदियों के शुद्धिकरण के बाद आचार्य वर्धमान सागर महाराज ससंघ व प्रतिष्ठाचार्य हसमुख शास्त्री एवं सुधीर मार्तण्ड के सान्निध्य में ज्ञानकल्याणक की आंतरिक क्रयाएं की गई।इसके बाद मंत्रोच्चारण के बीच भगवान की वेदियों की प्राण प्रतिष्ठा की गई। सुबह भक्तिपाठ, जिनाभिषेक,शांतिधारा, नित्य पूजन के बाद आचार्य के प्रवचन हुए। आदिनाथ भगवान के केवलज्ञान कल्याणक महोत्सव पर महामुनि ऋषभदेव आदिनाथ की आहारचर्या का प्रस्तुतिकरण किया गया। सौ धर्मइन्द्र मिलाप कोठारी एवं जीवन्धर किकावत परिवार सहित सभी श्रद्धालुओं ने महामुनि की आहारचर्या अवलोकन कराया। दोपहर में केवल ज्ञानोतपति व समवशरण रचना, केवल ज्ञान पूजन का कार्यक्रम हुआ। पंचकल्याणक महोत्सव की केवलज्ञान कल्याणक दिवस की महाआरती का सौभाग्य अंकुर शान्तिलाल परिवार को प्राप्त हुआ। महाआरती उनके निवास स्थान से बैंडबाजों के साथ पंचकल्याणक महोत्सव स्थल पर पहुंची। इसके बाद मंडल की ओर से मंगलचारण, सांस्कृतिक कार्यक्रम हुआ। आदिनाथ भगवान मोक्ष कल्याणक महोत्सव का आयोजन आज बुधवार को 24 प्रतिमाओं को नवीन वेदियों में विराजमान किया जाएगा। मदिर शिखर नवीन ध्वजा धारण करवाई जायेगी। **विधायक परमार ने लिया आर्शिवाद:** पंच कत्याणक प्रतिष्ठा मे खेरवाडा विधायक डॉ दयाराम परमार उपखण्ड अधिकारी यतिन्द्र पोरवाल महोत्सव मे पहुचे और

आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज का आर्शिवाद लिया। इस अवसर पर डॉ परमार ने कहाँ कि मेने आदिवासी परिवार मे जन्म लिया और मे एक मात्र व्यक्ती हु जिसने जैनिज्म पर पीएचडी की है।

मोह रूपी अंधकार को ज्ञान रूपी दीपक से दूर होगा : आचार्य श्री

आयोजित धर्म सभा में वात्सल्य वारिधि राष्ट्र गौरव आचार्य श्री वर्धमान सागर जी ने वर्धमान सभागार में कहा कि तीर्थंकर भगवान को आहार की जरूरत नहीं होती है फिर भी तीर्थंकर भगवान आहार के माध्यम से भविष्य का संविधान बनाते हैं कि मुनिराज किस प्रकार आहार करेंगे वे किस विधि से आहार लेंगे। वीतरागता के तंत्र में कोई परिवर्तन नहीं होता है अतः सभी रत्नत्रय रूपी वीतरागता को प्राप्त करने के लिए सबको पुरुषार्थ करना चाहिए। सम्यक दर्शन, सम्यक ज्ञान, सम्यक चारित्र रत्न त्रय के अभाव में प्राणी संसार में परिभ्रमण कर रहे हैं। कर्मों के आश्रव को तप और संयम रूपी बांध बनाकर कर्मों की निर्जरा तप संयम और साधु जीवन के माध्यम से करना होगी। उन्होंने कहा कि अंधकार को जिस प्रकार दूर करने के लिए दीपक के प्रकाश से अंधकार को दूर किया जाता है उसी प्रकार आपको मोह रूपी अंधकार को ज्ञान रूपी दीपक के माध्यम से दूर करना होगा।

बसंतोत्सव ही नव सृजन उत्सव है: पं महेशदत्त

जयपुर. शाबाश इंडिया। मानसरोवर,मीरा मार्ग के राजकीय वरिष्ठ उपाध्याय संस्कृत विद्यालय मीरा मार्ग मानसरोवर में बुधवार को बसंत पंचमी पर सरस्वती पूजन के साथ आयोजन हुआ। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने लघु नाटिका एवं मां सरस्वती अर्चन पर नृत्य प्रस्तुतियां दी गई। मुख्य वक्ता पंडित महेशदत्त ह्यगुरुजीह्य के ने बसंत रहस्य तथा सरस्वती प्राकट्योत्सव पर सूर्यकांत त्रिपाठी निराला को भी उनके जन्मदिन पर याद करते हुए कहा कि बसंतोत्सव ही नव सृजन उत्सव है। मुख्य अतिथि पार्षद भारती लखियानी रहीं। सारस्वत अतिथि मुकेश लखियानी ने विद्यार्थियों को बसंत पंचमी पर पृथ्वीराज चौहान और चंद्रबरदाई की ऐतिहासिक घटना से दृढ़संकल्पित रहने की प्रेरणा दी। विशिष्ट अतिथि मुकेश भारद्वाज ने शबरी और राम मिलन प्रसंग से विद्यार्थियों को जीवन में सद्गुणों को अपनाने के लिए प्रेरित किया। प्रशिक्षु प्रियम दाधीच ने रामायण में मां सरस्वती की प्रेरणा पर विचार रखे।

पार्श्वनाथ भगवान का मनाया 50वां स्वर्णिम स्थापना दिवस, 1008 स्वर्ण कलशों के द्वारा हर्षोल्लास पूर्वक

फागी. शाबाश इंडिया

कस्बे के पार्श्वनाथ चैत्यालय में आर्यिका श्रुतमति माताजी आर्यिका सुबोध मति माताजी ससंघ के पावन सानिध्य में आयोजित दो दिवसीय कार्यक्रम में सकल जैन समाज के तत्वावधान में आज विराजमान मूल नायक पार्श्वनाथ भगवान का 50 वां स्वर्णिम स्थापना दिवस समारोह हर्षोल्लास से विभिन्न धार्मिक आयोजनों के द्वारा मनाया गया। कार्यक्रम में जैन महासभा के प्रतिनिधि राजाबाबू गोधा ने शिरकत करते हुए बताया कि प्रातः श्री जी का अभिषेक शांतिधारा अष्टद्रव्यों से पूजा-अर्चना के बाद समाज के ग्यारह परिवारों ने बोली के माध्यम से श्री जी के 101-101 स्वर्ण कलशों से अभिषेक किया बाद में बोली के माध्यम से कपूरचंद, महावीर प्रसाद, सुरेश कुमार, राजकुमार, राकेश कुमार, ललित कुमार मांदी वाले परिवार जनों ने मुख्य बोली के माध्यम मूलनायक पार्श्वनाथ भगवान का 1008 स्वर्ण कलशों से सहस्त्र नामों के द्वारा जयकारों के साथ महाभिषेक, महाशांतिधारा कर अक्षय पुण्यार्जन प्राप्त किया,साथ उक्त कार्यक्रम में रामवतार -अनिल कुमार कठमाना परिवार ने बोली के माध्यम से विमल नाथ भगवान की महाशांतिधारा,रतन लाल राजेंद्र कुमार नला वाले परिवार ने नेमीनाथ भगवान की महाशांतिधारा करने का सोभाग्य प्राप्त किया, मंदिर समिति के मंत्री कमलेश चोधरी ने अवगत कराया कि उक्त कार्यक्रम की पूर्व संध्या पर मंदिर में सांयकाल भक्तामर स्तोत्र के पाठ, कल्याण मंदिर स्तोत्र पाठ, चालीसा, मंत्र जाप्य का आयोजन आयोजित किया गया था।कार्यक्रम में कपूर चंद जैन, प्यारचंद पीपलू,मोहनलाल झंडा, सोहनलाल झंडा, केलास पंसारी,अग्रवाल समाज के अध्यक्ष महावीर झंडा, सुरेश जैन मांदी, सीताराम कलवाडा,रतन नला, शिखर मोदी, हरकचंद झंडा, हेमराज कलवाडा, संतोष बजाज,सुरेश डेठानी,टीकम गिंदोडी, कन्हैयालाल सिंघल,महेंद्र बावड़ी, सुरेंद्र पंसारी,अनिल कठमाना, त्रिलोक पीपलू, विरेन्द्र नला, एडवोकेट विकास नला, अशोक कागला, सत्येन्द्र बावड़ी, विनोद झंडा,पारस मोदी, विनोद मोदी,मुकेश गिंदोडी, मनीष गोधा,कमलेश चौधरी, दीपक मोदी,कमलेश झंडा, मितेश लदाना तथा राजाबाबू गोधा सहित सभी श्रावक श्राविकाएं मोजूद थे।

आर्यिका भरतेश्वरी माताजी ससंघ का निवाई में हुआ भव्य मंगल प्रवेश

विमल जोला. शाबाश इंडिया

निवाई। परम पूज्या गणिनी आर्यिका भरतेश्वरी माताजी संघ सहित ने बुधवार को निवाई के सन्त निवास नसिंया जैन मंदिर में मंगल प्रवेश किया। आर्यिका माताजी संघ ने जयपुर चातुर्मास के पश्चात अतिशय क्षेत्र पदमपुरा, छोटा गिरनार बापूगांव, चाकसू, कोथून, विज्ञा तीर्थ गुन्सी से विहार कर बुद्धवार को निवाई पहुंचे । जहां जैन समाज के श्रद्धालुओं ने अगुवानी की। जैन समाज के प्रवक्ता विमल जौंला एवं सुनील भाणजा ने बताया कि मंगल प्रवेश पर माताजी संघ ने मूलनायक भगवान शांतिनाथ जी के दर्शन कर श्रद्धालुओं ने अभिषेक एवं शांतिधारा की। इस दौरान आर्यिका श्री भरतेश्वरी माताजी ने श्रद्धालुओं को संबोधित किया। आर्यिका संघ में 3 आर्यिका मौजूद हैं। इस अवसर पर महावीर प्रसाद पराणा सुनील भाणजा पदमचंद जैन महावीर छाबड़ा मनोज पाटनी दिनेश जैन पिंकी जैन शशी सोगानी शकुंतला छाबड़ा मीनाक्षी बगड़ी सुमन जैन सहित अनेक लोग मौजूद थे।

बसंत पंचमी और मातृ- पितृ पूजन दिवस के शुभ अवसर पर 'स्वामी ब्रह्मानंद वृद्धाश्रम' का भ्रमण

अमित गोधा. शाबाश इंडिया

ब्यावर। श्री वर्धमान कन्या पी.जी. महाविद्यालय की समाजशास्त्र विभाग की छात्राओं ने 14 फरवरी 2024 को ब्यावर के वृद्धाश्रम का समाजशास्त्र विषय की व्याख्याताओं दीपा मिस्त्री और डा. रीना ठाकुर के संरक्षण में भ्रमण किया। कॉलेज के प्राचार्य डा. आर.सी. लोढ़ा, अकादमी डीन नीलम लोढ़ा और समिति के मंत्री डा. नरेंद्र पारख ने बसंत पंचमी और मातृ - पितृ पूजन दिवस के उपलक्ष पर छात्राओं को सामाजिक मूल्यों को विकसित करने की प्रेरणा और सामाजिक कार्यों में बढ़ चढ़कर सहयोग देने के लिए प्रेरित किया और छात्राओं के साथ वृद्धों के लिए खाने-पीने की सामग्री एवं मिठाइयां वितरित करवाई। वृद्धाश्रम एकल परिवार प्रणाली के प्रचलन का परिणाम है। पारिवारिक उपेक्षा, बेहतर अवसरों की तलाश में बच्चों के पलायन से परिवारों के विघटन और शिक्षा प्रौद्योगिकी आदि के कारण नई पीढ़ी के साथ तालमेल बिठा सकने में असमर्थता जैसे अनेक कारण है जो वृद्ध व्यक्तियों को वृद्धाश्रम का सहारा लेने को विवश करते हैं। छात्रों ने वृद्धाश्रम में रह रहे बुजुर्गों को टीका लगाकर ,फूल-माला पहनाई और खाने-पीने की सामग्री वितरित करके उनके साथ समय व्यतीत किया। सभी बुजुर्गों ने छात्राओं को आशीर्वाद दिया तथा अपने माता-पिता की सेवा करना और किसी से द्वेष भाव न रखने की शिक्षा दी। छात्राओं के साथ उन्होंने मां सरस्वती और गणेश जी के भजन गाए। छात्राएं भी इस अवसर पर बहुत ज्यादा उत्साहित और खुश थी। वर्धमान शिक्षण समिति ब्यावर की एक ऐसी संस्था है जो अपने महाविद्यालय की छात्राओं को तकनीकी शिक्षा, व्यावसायिक शिक्षा के साथ-साथ सामाजिक, राजनीतिक तथा आर्थिक शिक्षा का वास्तविक अध्ययन करवाता है।

वेद ज्ञान

स्वांतः सुखाय...

श्रेय और प्रेय दो शब्द हैं। श्रेय पारलौकिक और आध्यात्मिक सुख है। मनुष्य के जीवन का उद्देश्य ऐश्वर्य भोग नहीं है। उसे जिस आध्यात्मिक सुख को अंतिम समय में प्राप्त करना है, उसी को श्रेय कहते हैं। वहीं प्रेय का अर्थ है सांसारिक सुख और ऐश्वर्य भोग। जो प्रिय लगे, जो हमें संसार से बांधे। इस संसार की समस्त कामनाएं, ऐषणाएं, वासनाएं आदि। मनुष्य जिसे संसार सुख के लिए प्राप्त करे। श्रेय विराट का प्रत्यक्षीकरण है और प्रेय स्व का निजीकरण है, जैसे उपासना और आराधना। उपासना व्यक्तिगत पूजा है, आराधना सार्वलौकिक पूजा है। इसलिए प्रेयस व्यक्तिगत कामना की पूर्ति है, अनंत इच्छाओं की पूर्ति का प्रयास है और श्रेयस संपूर्ण मानवीय मूल्यों के लोक मंगलकारी विचारों को समझने का प्रयास है। मनुष्य जब तक कामनाओं में बंधा रहता है, तब तक प्रेयस के परिवेश में रहता है और ज्यों ही उसकी कामनाएं व्यापक बन जाती हैं, व्यष्टि से समष्टि की ओर चली जाती हैं, वह श्रेयस बन जाती हैं। गोस्वामी तुलसीदास ने कहा है, स्वांतः सुखाय... अर्थात अपने सुख के लिए रामायण लिख रहा हूं, लेकिन उनका स्व, उनका स्वांतःपर बन गया, क्योंकि उनका स्व लोक मंगलकारी बन गया। स्व और पर विरोधी शब्द नहीं हैं। स्व का दायरा जब फैल जाता है, स्व का जब विस्तार हो जाता है, तब वह लोकमंगलकारी बन जाता है। मनुष्य कोई कृति करता है, पुस्तक लिखता है, स्कूल, कॉलेज, हॉस्पिटल बनवाता है। पहले वह अपने सुख के लिए उसका निर्माण करता है, लेकिन जब उस निर्माण कार्य से जनकल्याण होने लगता है, तो वह उसका अपना सुख नहीं रहता। वह जनमानस का सुख बन जाता है। जब तक वह किसी व्यक्ति के हित के लिए था, तब तक वह प्रेयस था, लेकिन ज्यों ही यह जनकल्याण के लिए समर्पित हो गया तो यह श्रेयस बन गया। मनुष्य कृति करता है अपने लिए, लेकिन जब वह कृति लोक कल्याणकारी बन जाती है तो वह किसी व्यक्ति की नहीं रहती। कृति हमेशा जीवित रहती है। मनुष्य चला जाता है, लेकिन उसकी कीर्ति हमेशा जीवित रहती है। यह लोकमंगलकारी भाव है, वही श्रेयस है। श्रीकृष्ण की गीता, मात्र श्रीकृष्ण और अर्जुन का संवाद है। युद्ध से भागते हुए एक योद्धा को श्रीकृष्ण ने समझाया है।

संपादकीय

आंदोलन की राह

करीब दो वर्ष पहले किसानों ने जब अपने आंदोलन के तहत दिल्ली की सीमाओं पर डेरा डाला था, तब कई महीनों तक प्रदर्शन के बाद सरकार के साथ कुछ बिंदुओं पर सहमति बनी और किसान वापस गए। मगर अब एक बार फिर न्यूनतम समर्थन मूल्य की गारंटी के लिए कानून की मांग सहित कई अन्य मुद्दों के साथ किसानों ने ह्यदिल्ली चलोह्ण के नारे के साथ प्रदर्शन शुरू कर दिया है। सवाल है कि आखिर किसानों के पिछले आंदोलन

के बाद सरकार के साथ हुए समझौते का क्या स्वरूप था और उसमें बनी सहमति को जमीन पर उतारने को लेकर ऐसी गंभीरता क्यों नहीं दिखी कि किसानों को फिर से सड़क पर उतरने की नौबत आई। गौरतलब है कि दो वर्ष पहले किसानों के ऐतिहासिक आंदोलन के बाद केंद्र सरकार को संसद से पारित तीन कृषि कानूनों को रद्द करना पड़ा था। तब सरकार ने न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गारंटी देने का वादा किया था। मगर किसानों की शिकायत है कि सरकार ने अपने वादे पूरे नहीं किए। अब किसानों के ताजा आंदोलन के बाद फिर जो हालात पैदा हो रहे हैं, अगर उसे लेकर सही नीति नहीं अपनाई गई तो सड़कों पर अव्यवस्था की स्थिति पैदा हो सकती है। विचित्र यह भी है कि सरकार की ओर से किसानों को रोकने के लिए जिस तरह सड़क पर कीलें लगाने और बाधाएं खड़ी जैसे उपाय किए गए हैं, उसे एक तरह से विरोध प्रदर्शन को बाधित करने की तरह देखा जा रहा है। जबकि एक स्वस्थ लोकतांत्रिक व्यवस्था में किसी को अपने वाजिब मुद्दों के लिए विरोध जताने या प्रदर्शन करने का अधिकार होना चाहिए। यह सरकार के लिए सोचने का वक्त है कि आखिर पिछले आंदोलन के दौरान बनी सहमति के बिंदुओं को लागू करने को लेकर कहां चूक या लापरवाही हुई कि किसान संगठन फिर से अपनी मांगों के साथ सड़क पर आ गए। संयुक्त किसान मोर्चा का कहना है कि ताजा प्रदर्शन के जरिए वे सरकार को दो वर्ष पहले किए गए उन वादों को याद दिलाना चाहते हैं, जो आंदोलन को वापस लेने की अपील करते हुए सरकार ने किए थे। वे वादे अब तक पूरे नहीं हुए। वहीं सरकार की ओर से ऐसे संकेत दिए जा रहे हैं कि फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य की गारंटी वाला कानून सभी हितधारकों से परामर्श किए बिना जल्दबाजी में नहीं लाया जा सकता है। सवाल है कि वादा करने के बावजूद सरकार आखिर अब तक क्या कर रही थी कि इस मसले पर किसानों के बीच स्पष्टता नहीं बन सकी? हालांकि विरोध प्रदर्शन से उपजने वाली अव्यवस्था की आशंका के मद्देनजर सरकार किसानों को रोकने की कोशिश कर रही है, लेकिन अगर किसान संगठन अपनी बात शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से जनता और सरकार के सामने रखना चाहते हैं, तो उन्हें बाधित क्यों किया जाना चाहिए? फिर किसान संगठनों को भी यह खयाल रखने की जरूरत है कि उनके आंदोलन की वजह से कानून-व्यवस्था बिगड़ने की स्थिति और आम जनता के सामने मुश्किलें न पैदा हों। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

गहन सुधार आवश्यक

सरकार की उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना देश की औद्योगिक नीति के सबसे करीब है। कई पीएलआई कार्यक्रम उन क्षेत्रों के लिए भी तैयार किए गए जिनके बारे में सरकार मानती है कि वे देश के विकास और आर्थिक सुरक्षा के लिए प्रासंगिक हैं। इनमें से कुछ सीधे तौर पर पर्यावरण के अनुकूल बदलाव से संबंधित हैं-मिसाल के तौर पर बैटरी संबंधी योजना। परंतु कई अन्य भी हैं जो अधिक पारंपरिक निर्यातोन्मुखी क्षेत्र हैं। कपड़ा ऐसा ही एक क्षेत्र है जहां श्रम का बहुत अधिक इस्तेमाल होता है जो रोजगार वृद्धि के लिए भी आवश्यक है। जैसा कि इस समाचार पत्र ने प्रकाशित किया, इनमें से कुछ क्षेत्रों मसलन कपड़ा, सूचना प्रौद्योगिकी हार्डवेयर और खासतौर पर इस्पात के लिए निजी निवेश में वृद्धि अनुमान से कम रही है। एक अंतर-मंत्रालय पैनल द्वारा योजनाओं की समीक्षा के मुताबिक कई क्षेत्रों में निवेश कमजोर है। यह बात तेजी से स्पष्ट होती जा रही है कि कई क्षेत्र ऐसे हैं जिनमें गहन नीतिगत सुधारों की आवश्यकता है। केवल तभी वे सही ढंग से प्रतिस्पर्धी बन पाएंगे। कपड़ा भी ऐसा ही एक क्षेत्र है रोजगार निर्माण और लोगों की आजीविका पर इसकी बहुत महत्त्वपूर्ण भूमिका है। निश्चित तौर पर बांग्लादेश जैसे देशों में टिकाऊ वृद्धि और गरीबी में कमी इसी क्षेत्र के बेहतर प्रदर्शन का नतीजा है। सरकार का मानना है कि कुछ सार्वजनिक धनराशि को इस क्षेत्र का उत्पादन बढ़ाने में निवेश किया जाए तो यह गति पकड़ सकता है। परंतु ऐसा नहीं हुआ। इस कार्यक्रम के लिए 10,000 करोड़ रुपये से अधिक की राशि अलग रखी गई है जो मानव निर्मित धागों और वस्त्र पर आधारित होगा। इस राशि का बहुत छोटा हिस्सा अब तक बांटा गया है। इस बात के कोई संकेत नहीं हैं कि इससे इस क्षेत्र में नया उत्साह आएगा या रोजगार के रुझान में कोई परिवर्तन आएगा। कार्यक्रम में पहले ही कई बदलाव प्रस्तावित और क्रियान्वित किए गए हैं। पिछले महीने ही खबर आई थी कि कपड़ा मंत्रालय एक और संशोधन पर काम कर रहा है। अब यह विचार करने का वक्त आ गया है कि वास्तविक समस्या पीएलआई योजना के समुचित मानक नहीं हैं बल्कि यह उम्मीद है कि यह गहरे सुधारों की कमी पूरी करेगी। कुछ देशों ने कपड़ा और वस्त्र निर्यात के क्षेत्र में इसलिए अच्छा प्रदर्शन किया क्योंकि उनके पास मजबूत बुनियादी ढांचा, कच्चे माल पर कम शुल्क वाली विश्वसनीय व्यापार नीति, रोजगार योग्य श्रम शक्ति और निवेशकों के अनुकूल नियम हैं। इन चार जरूरतों की बात करें तो भारत सरकार ने अधोसंरचना बनाने और नियमों को सहज बनाने पर बहुत ध्यान दिया है। बहरहाल व्यापार नीति काफी हद तक अप्रत्याशित रही है और श्रम शक्ति में भी वांछित विकास नहीं हुआ। ऐसे न्यायिक या प्रशासनिक सुधार भी नहीं हुए जो कारोबारों को यह भरोसा दे सकें कि नियमों को लागू किया ही जाएगा। ऐसे में आश्चर्य नहीं कि सरकार की पेशकश पर कम लोग ध्यान दे रहे हैं। सरकार को पीएलआई योजनाओं के लिए अलग की गई राशि के बारे में बात करने के बजाय हर कमजोर क्षेत्र के संभावित निवेशकों की वास्तविक चिंताओं को दूर करने की कोशिश करनी चाहिए। कपड़ा और खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र इसका उदाहरण हैं। पीएलआई कार्यक्रम समस्या का हल नहीं हैं और उन्हें खुली पेशकश भी नहीं मानना चाहिए। सरकारी वित्त के समक्ष दिक्कत यह है कि अगर सरकार अर्हता का दायरा बढ़ा देती है तो सार्वजनिक धन ऐसी गैर टिकाऊ परियोजनाओं में जाने लगता है जिन्हें लेकर निजी क्षेत्र गंभीर नहीं है।

गूंजे भगवान के जयकारे, भक्तिपूर्ण माहौल में निकाली गई भव्य कलशयात्रा

हनुमान टेकरी स्थित काठियाबाबा आश्रम पर श्री कामधेनु सुरभि महायज्ञ का आगाज

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। माघमास में बसंत पंचमी के पावन अवसर पर बुधवार सुबह भव्य कलशयात्रा एवं मंडप प्रवेश के साथ भीलवाड़ा शहर में छोटी हरणी हनुमान टेकरी स्थित काठिया बाबा आश्रम में पहली बार आयोजित होने जा रहे 11 कुण्डीय श्री कामधेनु सुरभि महायज्ञ का आगाज हो गया। महन्त बनवारीशरण काठियाबाबा के सान्निध्य में निकाली गई कलशयात्रा में कई संत-महात्मा व बड़ी संख्या में श्रद्धालुगण शामिल होंगे। महायज्ञ में अरणी मंथन के तहत अग्नि स्थापना गुरूवार को सुबह 8 बजे होगी। महायज्ञ यज्ञाचार्य आचार्य श्री मुकेश अवस्थी महाराज श्रीधाम वृन्दावन के निर्देशन में प्रतिदिन सुबह 8 बजे से 12.30 बजे तक होगा। महायज्ञ की पूणार्हुति एवं महाआरती 20 फरवरी को होगी। इसी तरह आयोजन अवधि में प्रतिदिन रात 8 बजे से श्री राधा रासेश्वरी रासलीला मण्डल श्रीवृन्दावनधाम मथुरा द्वारा भक्तिपूर्ण रासलीला का भी आयोजन होगा। बसंत पंचमी की सुबह छोटी हरणी क्षेत्र में भक्ति की गूंज लेकर आई। श्री कामधेनु सुरभि महायज्ञ के आगाज के अवसर पर क्षेत्र के चारभुजा मंदिर से भव्य कलश यात्रा निकाली गई। कलश यात्रा में सबसे आगे धर्मध्वजा लिए घुड़सवार चल रहे थे। बैण्ड की मधुर स्वरलहरियों के साथ निकाली गई कलश यात्रा में महिलाएं सिर पर मंगल कलश धारण किए हुए थे। कलशयात्रा में हाथीभाटा आश्रम के महंत संतदासजी महाराज, पंचमुखी बालाजी मंदिर के महंत जमनादासजी महाराज, कल्कीरामजी महाराज, पुजारी मुरारी पांडे, ओम पाराशर, आयोजन समिति के अध्यक्ष विधायक अशोक कोठारी, संयोजक रवि अग्रवाल, सह संयोजक संजय पाराशर, राजेश चौधरी, तेजसिंह पुरावत, गजानंद बजाज, डॉ. उमाशंकर पारीक, शशिकुमार गर्ग, गणपतसिंह पुरावत, देवीलाल भदाला, रामस्वरूप जाट, बंशीलाल प्रजापत, गोपाल जाट, दिनेश गर्ग, गोपाल मामाजी, श्याम जोशी आदि शामिल थे। कलश यात्रा छोटी हरणी क्षेत्र से गुजरते हुए आश्रम में महायज्ञ स्थल पर पहुंचकर सम्पन्न हुई। कलशयात्रा पहुंचने के बाद जयकारों की गूंज के बीच मंडप प्रवेश हुआ। महायज्ञ में जजमानों द्वारा आहुतियां देने का दौर गुरूवार को यज्ञवेदी में अग्नि स्थापना के साथ शुरू होगा।

क्या है श्री कामधेनु सुरभि महायज्ञ का महत्व

श्रीधाम वृन्दावन यज्ञाचार्य आचार्य श्री मुकेश अवस्थी ने बताया कि माघमास में श्री कामधेनु सुरभि महायज्ञ का शास्त्रों में बहुत महत्व बताया गया है। इस महायज्ञ में सहभागी बनने से घर में सुख,समृद्धि, आरोग्यता का वास होने के साथ पितरों की तृप्ति, व्यापार में वृद्धि, घर में लक्ष्मी का आगमन आदि सारी मंगलकामनाएं पूरी होती है। उन्होंने बताया कि माता सुरभि का प्राकट्य समुद्र मंथन के समय 14 महारत्नों में हुआ था। इनमें से 5 गौमाताओं का प्राकट्य हुआ जो कि वशिष्ट जमग्दनी आदि ऋषियों को प्रदान किया गया। इस महायज्ञ के माध्यम से सर्व सुख,शांति व समृद्धि की कामना भी होगी।

हर्ष पाटनी गोल्ड मेडल से सम्मानित

लाडनूं. शाबाश इंडिया। साइंस ओलंपियाड फाउंडेशन द्वारा प्राकृतिक योग्यता व विज्ञान क्षमताओं के आकलन के लिए करवाए गये नेशनल साइंस ओलंपियाड मुकाबले में लाडनूं की दिगंबर जैन समाज के सदस्य व सामाजिक कार्यकर्ता राज पाटनी तथा फिल्म अभिनेत्री सोनम पाटनी के सुपुत्र हर्ष पाटनी ने गोल्ड मेडल प्राप्त कर स्कूल,अभिभावकों व समाज का नाम रोशन किया। विमल विद्या विहार स्कूल की कक्षा 7 के छात्र हर्ष पाटनी जैन धर्म से संबंधित ज्ञान, जानकारियों व तथ्यों की अच्छी समझ रखते रहे हैं। हर्ष पाटनी को उनकी इस उपलब्धि के लिए देशभर से बधाई व आशीर्वाद के संदेश प्राप्त हो रहे हैं।

मनाया तेरहवें तीर्थंकर भगवान विमल नाथ का जन्म व तप कल्याणक महोत्सव

कोटखावदा. शाबाश इंडिया। जैन बंधुओं द्वारा मंगलवार, 13 फरवरी को जैन धर्म के 13 वें तीर्थंकर भगवान विमलनाथ का जन्म व तप कल्याणक दिवस मनाया। इस मौके पर मंदिरों में पूजा अर्चना के विशेष आयोजन किए गए। राजस्थान जैन युवा महासभा के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन 'कोटखावदा' ने बताया कि मंगलवार,13 फरवरी को जैन धर्म के तेरहवें तीर्थंकर भगवान विमलनाथ का जन्म व तप कल्याणक महोत्सव मनाया गया। राजस्थान जैन युवा महासभा जोन जयपुर ग्रामीण के महामंत्री अमन जैन कोटखावदा के अनुसार श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र बडाबास में अध्यक्ष महावीर गंगवाल एवं मंत्री दीपक वैद के नेतृत्व में जन्म व तप कल्याणक दिवस मनाया गया। श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर चैत्यालय, छोटा बास स्थित श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर सहित पदमपुरा के श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र, आकोडिया के श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर मे पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, बापू गांव स्थित श्री नेमीनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र छोटा गिरनार, चाकसू के आदिश्वर धाम, काशीपुरा,रुपाहेडी कला, महादेव पुरा, निमोडिया, बस्सी आदि दिगम्बर जैन मंदिरों में भगवान के जन्म व तप कल्याणक दिवस पर पूजा अर्चना के विशेष आयोजन किए गए।

स्वयं की आत्मा ही तीर्थ : गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी

गुंसी, निवाई. शाबाश इंडिया। श्री दिगम्बर जैन सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ गुंसी (राज.) में ससंघ सहित धर्म साधना में प्रवृत्त गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी अपनी उत्कृष्ट साधना करते हुए व्रती आश्रम में रहने वाले सभी वृतियों को अध्ययन अध्यापन करवा रही है। माताजी ने सभी को धर्मोपदेश देते हुए कहा कि - जिसकी चित्तप्रवृत्ति पवित्र है, उसको सम्पूर्ण जगत ही तीर्थ है । चित्तप्रवृत्ति पवित्र है, तो स्वयं की आत्मा ही तीर्थ है जिसकी चित्त प्रवृत्ति पवित्र नहीं है, वह तीर्थक्षेत्र में पहुँचकर भी क्षेत्र को नहीं निहार सकता है । आवश्यकता है चित्त की प्रवृत्ति को पवित्र करने की । जीवन के अंतिम समय के सैकड़ों खण्डों में से एक समय प्रमाण भी यदि परिणाम पवित्र हो गए तो कल्याण हो जायेगा। स्वयं का कल्याण परमात्मा के आश्रित नहीं है, तीर्थ के आश्रित नहीं है, गुरु के आश्रित नहीं है, जिनवाणी के आश्रित नहीं है, अपितु मेरा कल्याण मेरे चित्त की प्रवृत्ति की पवित्रता के आश्रित है । जिसका चित्त अशांत है, चित्त विकल्पों में, चिन्ता से भरा है, उसे सुख कहाँ ? आनंद कहाँ ? आनंद है तो मात्र चित्त की पवित्रता में है।

आचार्य शीतल सागर जी महाराज का मंगल विहार चंपापुर की ओर

मुर्शिदाबाद पश्चिम बंगाल. शाबाश इंडिया

आचार्य सन्मती सागर जी महाराज (दक्षिण) के शिष्य आचार्य शीतल सागर जी महाराज का विहार चंपापुर की ओर चल रहा है। आचार्य शीतल सागर जी महाराज का आगमन मुर्शिदाबाद जिला में 2019 को हुआ था, पिछले कई सालो से मुर्शिदाबाद जिला व वृहत कोलकता तथा आसपास के शहर वासियों को आचार्य श्री संघ का सानिध्य रहा, मानो इन दोनों में सब धर्म की रंगों में रंग गये हो, पिछले कुछ वर्ष कोरोना का प्रभाव रहते हुए भी बहुत ही ज्यादा धर्म प्रभावना हुआ था। विशेष कर जो युवा पीढ़ी धर्म से दूर रहते थे वे आचार्य श्री संघ के सानिध्य में आकर धर्म कि पटरी पर चलने लगे, आचार्य श्री संघ का पिछला 8 चातुर्मास रांची-2016, गया-2017, हजारीबाग-2018, धुलियान- 2019, जियागंज-2020, धुलियान-2021 हावड़ा-2022 बंडेल-2023 में धर्म प्रभावना के साथ सम्पन्न हुआ। करीब 5 साल का प्रवास पश्चिम बंगाल में रहा जो की अपने-आप में एक रेकॉर्ड है । अतः ताः10.02.2024 को आचार्य श्री का धुलियान पश्चिम बंगाल से चंपापुर की ओर विहार हुआ है ...।

-संजय बड़जात्या

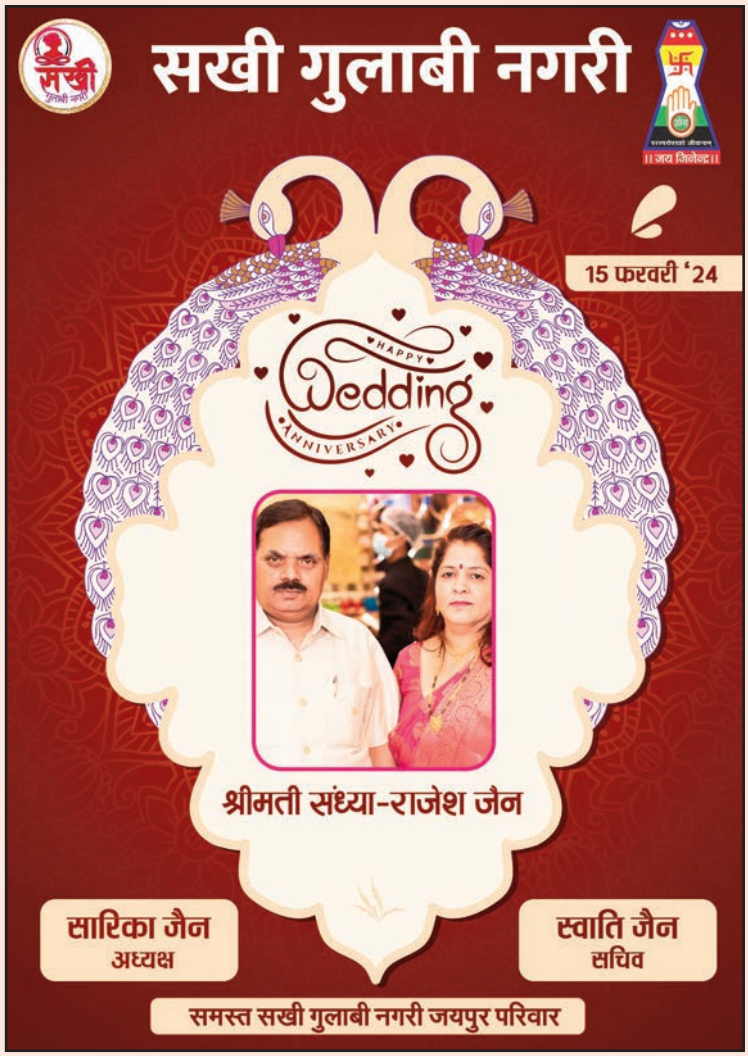

दृष्टि बाधित 4 बच्चों को M P 3 साऊन्ड बार सिस्टम भेंट

कुचामन सिटी. शाबाश इंडिया। सबको प्यार , सबकी सेवा, जीओ व जीने दो के उद्देश्य से चलने वाली संस्था महावीर इंटरनेशनल कुचामन सिटी द्वारा विधा और ज्ञान की देवी माँ सरस्वती की आराधना को समर्पित पुण्य पर्व प्रकृति की नई शुरूआत के दिन ऋतुओं के राजा बसंत के शुभारम्भ बसंत पंचमी पर समग्र शिक्षा अभियान के तहत आज जवाहर उच्च माध्यमिक विधालय कुचामन सिटी के संदर्भ कक्ष में संस्था द्वारा दृष्टि बाधित 4 बालको को आत्मनिर्भर बनें व जीवन में उतरोतर उन्नति (प्रगति) करें की भावना से M P 3 साउंड बार सिस्टम भेंट किया साथ ही बाकी दिव्यांग बच्चों को वीर सम्पत बगड़िया ने नोटबुक,पेन्सिल, रबड़ देकर अल्पाहार भी कराया गया। संस्था के सेवाकार्यों की प्रेरणा से शाला अध्यापक श्री भंवरलाल बुरड़क ने भी एक M P 3 साऊन्ड बार सिस्टम बालक को भेंट किया कार्यक्रम में संस्था अध्यक्ष वीर रामावतार गोयल, सोहनलाल वर्मा, कैलाश चन्द पांड्या, तेजकुमार बड़जात्या, रमेश पहाड़ियां, आनन्द सेठी, सम्पत बगड़िया, विधालय परिवार से दयाराम, सूरज्ञान, श्री पेमाराम, श्री भगवती प्रसाद शर्मा आदि स्टॉफ सदस्यों ने सहयोग किया। गवर्निंग काउंसिल मेम्बर वीर सुभाष पहाड़ियां ने दिव्यांग बच्चों को हर समय संस्था द्वारा सहयोग का आश्वासन दिया व सभी के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

वसंतोत्सव धूमधाम से मनाया

सुशी सक्सेना. शाबाश इंडिया

वडोदरा, गुजरात। केंद्रीय विद्यालय क्रमांक 04 डल्लूं गुजरात में हर साल की तरह इस वर्ष भी बसंत पंचमी के उपलक्ष्य में वसंतोत्सव का आयोजन किया गया। जो की बहुत धूमधाम से मनाया गया मां सरस्वती का प्राचार्य जी द्वारा पारंपरिक पूजन किया गया, तत्पश्चात विद्यार्थियों व शिक्षक वर्ग ने भी पुष्प समर्पित किए। विद्यार्थियों द्वारा सरस्वती वन्दना प्रस्तुत की गई। प्राचार्य द्वारा आशीर्वचन के बाद प्रसाद वितरण किया गया। इसके अलावा और भी विभिन्न प्रकार की गतिविधियों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर चित्रकला गतिविधि का आयोजन भी हुआ। सभी ने बहुत सुंदर सुंदर चित्र प्रस्तुत कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। वसंतोत्सव का आयोजन शिक्षण और सुखद अनुभव का अवसर प्रदान करता है और साथ ही साथ बच्चों को एक-दूसरे के साथ मेल-जोल व सामाजिक समरसता बनाने का मौका देता है।

कुलरिया परिवार ने पोस्टर विमोचन कर कार्यक्रम का किया आगाज

जयपुर. शाबाश इंडिया

देश के सुविख्यात उद्योगपति व भामाशाह शंकर कुलरिया ने 03 मार्च 2024 को जयपुर में राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं बाल विकास आयोग ट्रस्ट द्वारा आयोजित होने वाले राष्ट्रीय गौरव पुरस्कार सम्मान समारोह के पोस्टर का विमोचन कर कार्यक्रम का आगाज किया। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों से चयन कर उत्कृष्ट कार्य करने वाले 51 हस्तियों का सम्मान होगा व संस्था 11 निराश्रित बच्चों को गोद लेकर उनके सुनहरे भविष्य के लिए तैयार करेगी। कार्यक्रम में 08-10 राज्यों से आवार्डी सम्मिलित होंगे। कार्यक्रम में राजस्थान सरकार व भारत सरकार के प्रतिनिधि बतौर अतिथि शामिल होंगे। कार्यक्रम का आयोजन जानकीदेवी ओडिटोरियम प्रताप नगर जयपुर में किया जाना प्रस्तावित है विमोचन के दौरान संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोविन्द जांगिड, फि ल्म अभिनेता राज जांगिड़, कवि धीरज सुथार, महेंद्र जांगिड व गौरव सुथार उपस्थित रहे।

अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी के प्रवचन से...

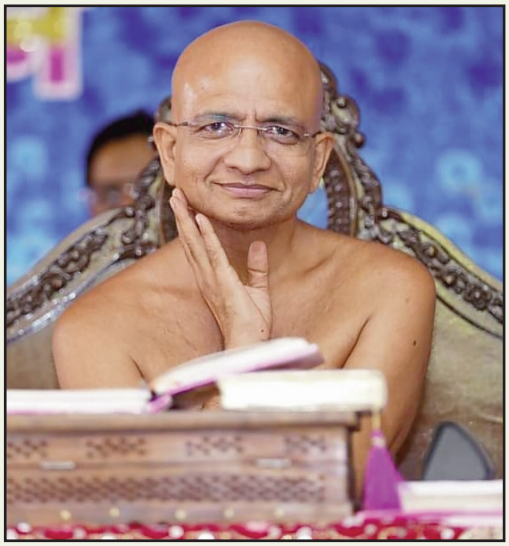

जिद, गुस्सा, गलती, लालच और अपमान,,
नेताओं की तरह होते हैं..
जो दूसरा करे तो चुभते हैं,
परन्तु स्वयं करे तो एहसास तक नहीं होता..!
इसलिए उन्हें मत चुनो जिनका धर्म और ईमान नहीं हो। ऐसे लोगों को चुनकर लोकसभा और विधानसभा में मत भेजो, जो राजनीति में से नीति निकाल देना चाहते हैं। जो बात तो अखंडता की करते हैं, लेकिन कार्य खंडन का करते हैं। जो भारतीय होकर भी मानसिक दृष्टि से विदेशी भाषा और संस्कृति की गुलाम है। उन्हें अपने जन प्रतिनिधि के रूप में मत चुनिये --

- जो दुहाई तो राम, कृष्ण, बुद्ध और महावीर की देते हैं, पर समझते हैं यह सब वर्तमान संदर्भ में अप्रासंगिक हो गए हैं।
- जो गरीबों के मसीहा बनते हैं, पर स्वयं विलासिता पूर्ण जीवन जीते हैं।
- जो भाषण तो देश भक्ति का करते हैं, लेकिन जिनके बच्चे विदेशों में पढ़ते हैं।
- जो दल या पार्टी को देश से बड़ा समझते हैं।
- जो भ्रष्टाचार को शिष्टाचार का जामा पहनाने को प्रयत्नशील हैं।

ऐसे लोगों को चुनना अपने हाथों से, अपने पैरों पर कुठाराघात करना है। गलत व्यक्ति का समर्थन करना भ्रष्टाचार को प्राश्रय देना है। हम गलत आदमी को नहीं चुनेंगे, गलत आदमी का समर्थन नहीं करेंगे। ऐसा संकल्प ही, विकृत और गंदी राजनीति के सुधार में कारण बन सकता है...!

- नरेंद्र अजमेरा पियुष कासलीवाल औरंगाबाद

III D जयपुर रीजनल चैप्टर IIID JRC स्पोर्ट्स कार्निवल की 5 वे एडिशन का शुभारंभ

जयपुर। IIID के जयपुर रीजनल चैप्टर (IIID JRC) को गर्व है कि वह आने वाली 23 फरवरी से 25 फरवरी तक SMS स्टेडियम में IIID JRC स्पोर्ट्स कार्निवल की 5 वे एडिशन का आयोजन कर रहा है। आर्किटेक्ट आशीष काला, IIID के चेयरमैन, ने बताया की इस स्पोर्ट्स कार्निवल से मेंबर्स के बीच खेल और सौहार्द को प्रोत्साहित किया जाता है। उन्होंने इस आयोजन की महत्वता को जताया, जो उत्साह और सहभागिता की बढ़ती हुई रूचि को प्रतिबिंबित करता है।इस साल, स्पोर्ट्स कार्निवल एक नऐ स्पोर्ट्स गोल्फ, के साथ आ रहा है, जिसमें आठ खिलाड़ी प्रतिस्पर्द्धा करेंगे 1 इसके अलावा छ टीम्स बादमिन्टन, टेबल टेनिस (टीटी) क्रिकेट मैं प्रतिस्पर्धा करेगी 1 इसी के साथ-साथ अन्य प्रतिभागी मैराथन एव कई प्रकार की रेस मैं भाग लेंगे1 सचिव, आर्किटेक्ट मनीष ठाकुरिया, ने प्रतिस्पर्धात्मक ट्रॉफी के लिए प्रतिस्पर्धी छ टीमो की लाइनअप की जानकारी दी। टीमों में आदित्य बाथ द्वारा आदित्य एवेंजर्स, अल्फेन विंडोज़ द्वारा अल्फेन रॉयल्स, लालटेन द्वारा लालटेन लेजेंड्स, प्राइमार्क द्वारा प्राइमार्क सुपर किंग्स, साई कृपा स्टोन्स द्वारा साई कृपा सोल्जियर्स, और तालुका हार्डवेयर द्वारा तालुका फाइटर्स शामिल हैं। प्रत्येक टीम अपनी विशेष भावना और पराक्रम लाने के लिए तत्पर है। IIID JRC स्पोर्ट्स कार्निवल डिज़ाइन विश्व समुदाय के सदस्यों के बीच साझेदारी, खेलमनस्ता और मैत्री को बढ़ावा देने का एक मंच प्रदान करता है एव रोचक खेल और उत्साही भागीदारी के साथ, यह आयोजन सभी के लिए रोमांचक क्षण और अविस्मरणीय अनुभवों का वादा करता है।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

आदर्श महिला महाविद्यालय में बसंत पंचमी महोत्सव मनाया गया

चंद्रेश कुमार जैन. शाबाश इंडिया

श्री महावीर जी। श्री दिगंबर जैन आदर्श महिला महाविद्यालय में आज बसंत पंचमी महोत्सव मनाया गया मां शारदे की पूजा अर्चना के बाद छात्राओं ने विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए इस कार्यक्रम में जिन छात्रों ने बोर्ड की वरीयता सूची में अपना स्थान बनाया था तथा जो कॉलेज स्तर पर सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाली छात्राएं थीं उन सभी को महाविद्यालय समिति की ओर से प्रशस्ति पत्र नगद राशि कॉफी पर नित्यादि सामान देकर सम्मानित किया गया पूर्व में भी इन छात्राओं को निशुल्क को साइकिल देकर पुरस्कृत किया जा चुका है इस अवसर पर शिक्षा शास्त्री एवं बीएसटीसी की सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्राओं को भी सम्मानित किया गया कार्यक्रम के अंत में संस्थान के प्राचार्य एवं प्रशासनिक अधिकारी डॉ मुकेश कुमार शर्मा ने बसंत पंचमी के महत्व पर प्रकाश डाला संस्थान के अध्यक्ष चंद्र प्रकाश पहाड़िया एवं मंत्री उजास चंद्र जैन पुरस्कृत होने वाले छात्रों को बधाई संप्रेषित की है इस अवसर पर संस्थान के प्राचार्य एवं प्रशासनिक अधिकारी डॉ मुकेश कुमार शर्मा इ.एि प्राचार्य दो भैरव शाह शर्मा बीएसटीसी प्रधानाचार्य रोड गुप्ता विशेष अधिकारी घनश्याम शर्मा आदि उपस्थित रहे सम्मानित होने वाली छात्राएं रैम शर्मा सोनम गुर्जर प्राची शर्मा उर्मिला कुमारी मनीष गुर्जर सपना कुमारी खुशी कुमारी पायल सेन खुशबू मीणा कोमल कुमारी नेहा गुर्जर माहिका सैनी अशोक मीणा श्वेता मीणा रीना मीणा सविता कुमारी रय शर्मा आदि को सम्मानित किया।

आगरा की पावनधरा पर हुआ 14 वर्षों के बाद वैज्ञानिक संत आचार्यश्री का भव्य मंगल प्रवेश

आगरा. शाबाश इंडिया। वैज्ञानिक संत आचार्यश्री निर्भयसागर जी महाराज ससंघ का 14 फरवरी को 14 वर्षों के बाद आगरा के कमलानगर स्थित डी ब्लॉक के श्री महावीर दिगम्बर जैन मंदिर में भव्य मंगल प्रवेश हुआ। कमलानगर वासी मंदिर के द्वार पर हाथों में पाद प्रक्षालन के लिए

कलश के साथ आचार्यश्री गुरुवर के स्वागत को अति उत्साहित है। ढोल-ताशों और धर्म-ध्वजाओं के साथ नगरवासियों ने आचार्यश्री ससंघ का प्रवेश कमलानगर के डी-ब्लॉक में करवाया। गुरुवर के भव्य स्वागत को कमलानगर वासियों ने सर्वप्रथम पाद प्रक्षालन और आरती उतार कर मंदिर में पदार्पण करवाया। मंदिर में हुए मंगल प्रवेश के बाद आचार्यश्री ससंघ ने प्रभु के दर्शन किए और फिर मंदिर प्रांगण में धर्मसभा का आयोजन हुओ जिसमें आचार्यश्री ने भक्तों को धर्मसभा को सम्बोधित करते हुए वैलेंटाइन डे और प्रेम के अर्थ की वास्तविकता को समझा। आचार्यश्री गुरुवर ससंघ के आगमन पर नगरवासी बड़ी संख्या में कमलानगर स्थित जैन मंदिर पहुंचे और सौभाग्य शाली भक्तों ने आचार्यश्री के समक्ष श्रीफल और शास्त्र आदि भेंट किए। इस अवसर पर आगरा दिगम्बर जैन परिषद के अध्यक्ष जगदीश प्रसाद जैन,मनोज जैन,प्रदीप जैन पीएनसी,मनोज जैन बाकलीवाल प्रमोद जैन,अनिल जैन रईस,नरेश जैन, अनिल जैन,शिखरचन्द जैन सिंघई, सुरेन्द्र जैन पाण्डया, समस्त ग्रेटर कमला नगर जैन समाज के लोग बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

रिपोर्ट : शुभम जैन

महानिरीक्षक कानून व व्यवस्था से मिला अल्प संख्यक समुदाय का प्रतिनिधि मंडल

जयपुर. शाबाश इंडिया। अल्प संख्यक जैन समुदाय की विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने बुधवार को महानिरीक्षक कानून व व्यवस्था से भेंट कर साधु संतों के विहार व प्रवास के समय आने वाली समस्याओं पर विचार विमर्श किया ।राजस्थान समग्र युवा महासभा के अध्यक्ष अशोक बाँठिया ने बताया कि सर्व प्रथम सभी द्वारा उनके द्वारा जारी साधु संतों की सुरक्षा संबंधी निर्देश के लिए आभार व्यक्त किया गया। इधर धर्म जागृति संस्थान के प्रांतीय अध्यक्ष पदम जैन बिलाला, राज युवा महा सभा के अध्यक्ष प्रदीप जैन लाला , जैन बैंकर्स फोरम के अध्यक्ष भाग चंद मित्रपुरा, समाज सेवी मुकेश जैन रेलवे वाले सुनीता जैन तथा संस्थान के कोषाध्यक्ष पंकज जैन लुहाड़िया व ज्योति नगर के राजेश गदिया ने महानिरीक्षक अनिल कुमार टाक का माला साल दुपट्टा पगड़ी पहनाकर सम्मान किया तथा कुछ सुझावों के साथ पत्र भी दिया ।इस समय अनिल टाक ने अल्प संख्यक समुदाय को हर संभव सहायता हेतु आश्वस्त किया ।

वसंतोत्सव हमारी सांस्कृतिक विरासत, इसका संरक्षण नई पीढ़ी की नैतिक जिम्मेदारी: कोठिया

गढ़ी. शाबाश इंडिया। मानव सेवा संस्थान गढ़ी द्वारा बसंत पंचमी पर आयोजित विचार गोष्ठी में मुख्य वक्ता महावीर इंटरनेशनल के गवर्निंग काउंसिल सदस्य अजीत कोठिया थे। अध्यक्षता सुगन कुंवर ने की तथा मुख्य अतिथि हिम्मत सिंह पंवार थे। इस अवसर पर अजीत कोठिया ने कहा की वसंतोत्सव हमारी सांस्कृतिक विरासत हैं तथा इसको संरक्षित करना हमारी नई पीढ़ी की नैतिक जिम्मेदारी है। आधुनिकता की चकाचौंध में हमें अपनी राष्ट्रीय एवम पौराणिक पहचान को नही खोना है। इस अवसर पर मां शारदे का स्तवन कुसुम कोठिया ने प्रस्तुत किया। कोठिया ने बचपन की कविता **''आया वसंत आया वसंत वन उपवन में छाया वसंत, गेंदा और गुलाब चमेली, फूल रही है जूही अलबेली''** का सस्वर वाचन कर सभी के स्कूली जीवन की यादों को ताजा किया। सुगन कुंवर ने कहा की मयार्दा एवं पवित्रता की रक्षा करना हमारी संस्कृति और शान है और हम इसे अंतिम सांस तक निभाने को संकल्पबद्ध रहेंगे।मुख्य अतिथि हिम्मत सिंह पंवार ने कहा की देश की सांस्कृतिक विरासत की रक्षा करने मे हमारी स्वयं सेवी संस्थाओं को सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। संचालन एवं आभार प्रदर्शन शक्ति सिंह ने किया।

बसंत पंचमी को खण्डेलवाल दिवस पर प्रताप नगर में निकली शोभायात्रा

जयपुर. शाबाश इंडिया

अखिल भारतीय खण्डेलवाल वैश्य युवा जागृति संघ प्रताप नगर के तत्वावधान में 14 फरवरी बसंत पंचमी को खंडेलवाल दिवस के उपलक्ष में शोभायात्रा निकाली गई। कार्यक्रम के मुख्य संयोजक आनंद महरवाल ने बताया की शोभायात्रा प्रताप नगर सेक्टर 7 पानी की टंकी के पास स्थित श्री नीलकंठ महादेव मंदिर से सुबह 9 बजे रवाना हुए। शोभायात्रा में बैंड बाजा एवं ऊट, हाथी, घोड़े के लवाजमें के साथ रथ में मां सरस्वती, संतकवि सुंदर दास जी महाराज, राम दरबार और महाबली हनुमान जी की मनोहर झांकियां सजाकर बैण्ड बाजे की मधुर धुनों पर मंगल गीत गीतों के साथ श्योपुर रोड होते हुए श्री पिंजरापोल गोशाला पहुंची, जहा समाज सेवियों ने पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। इसके बाद सहभोज का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में हतोज धाम से श्री श्री 1008 बालमुकुंदाचार्य जी महाराज के आशीर्वाद प्राप्त हुआ । इस अवसर पर मुकेश ठाकुरिया, संतोष खण्डेलवाल, योगेन्द्र लाभी, महेश कूलवाल सहित अनेक लोगों ने सहयोग किया। कार्यक्रम में रक्तदान शिविर का भी आयोजन हुआ जिसमें 49 यूनिट ब्लड एकत्रित किया गया।

बसंत पंचमी पर्व सरस्वती वन्दना कर मनाया

जयपुर. शाबाश इंडिया

उल्लास और खुशी का पर्व बसंत पंचमी भातखण्डे संगीत महाविद्यालय बापू नगर में बड़ी धूमधाम से मनाया गया। आयोजन से जुड़े हुए समाजसेवी मनोज ठोलिया ने बताया कि बापूनगर के भातखण्डे संगीत महाविद्यालय में प्रसिद्ध संगीतकार राज कुमार संघी के नेतृत्व में आयोजित इस समारोह में ज्ञान एवं विद्या की देवी माँ सरस्वती की पूजा अर्चना कर संगीतमय वन्दना की गई। इस मौके पर बड़ी संख्या में गणमान्य लोग एवं छात्रों ने सहभागिता निभाई। ठोलिया के मुताबिक भातखण्डे संगीत महाविद्यालय में यह आयोजन विगत कई वर्षों से लगातार मनाया जा रहा है।

कोटा विश्वविद्यालय में बसंतपंचमी पर्व मनाया

कोटा. शाबाश इंडिया। बसंत पंचमी के पावन अवसर पर कोटा विश्वविद्यालय के माइक्रोबायोलॉजी व बायोटेक्नोलॉजी विभाग मे विभागाध्यक्ष डॉ पल्लवी शर्मा के नेतृत्व मे बसंतपंचमी पर्व जो की माँ शारदा का पावन पर्व है जो की विदया की दाता है सभी विद्यार्थियों व अध्यापको ने मिलकर मनाया शारदा माँ की पूजा अर्चना की व आशीर्वाद लिया इस उपलक्ष मे डॉ नेहा चौहान, डॉ जैनुअल, डॉ श्वेता गुप्ता, डॉ बोस्की, डॉ ललित मीना, डॉ सुशील, डॉ ज्योति मीना व सहायक पिंकी, नीरज, पूजा, मेनका व समस्त विद्यार्थी उपस्थित रहे।

निदेशक अल्पसंख्यक मामलात नलिनी कठोतिया का जैन समाज ने शिष्टाचार भेंट कर किया अभिनंदन

जयपुर. शाबाश इंडिया। जैन समाज की विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने बुधवार को अल्पसंख्यक मॉमलात विभाग की नवनियुक्त निदेशक नलिनी कठोतिया से शिष्टाचार भेंट कर उनका समाज की ओर से भावभीना सम्मान किया। राजस्थान जैन सभा जयपुर के मंत्री एवं राजस्थान जैन युवा महासभा के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि समाज की विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारियों ने निदेशक नलिनी कठोतिया को पुष्प गुच्छ भेट कर, दुपट्टा, शाल ओढ़ाकर एवं पगड़ी पहनाकर तथा भगवान महावीर का चित्र भेट कर स्वागत एवं सम्मान किया । इस मौके पर राजस्थान जैन सभा के अध्यक्ष सुभाष चन्द जैन, महामंत्री मनीष बैद , मंत्री विनोद जैन कोटखावदा, दिगम्बर जैन श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा के प्रांतीय अध्यक्ष कमल बाबू जैन , धर्म जागृति संस्थान के प्रांतीय अध्यक्ष पदम जैन बिलाला, राजस्थान जैन युवा महासभा के अध्यक्ष प्रदीप जैन , दिगम्बर जैन महासमिति राजस्थान के अध्यक्ष अनिल जैन ,दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फैडरेशन राजस्थान के राजेश बडजात्या, जैन बैंकर्स के अध्यक्ष भाग चंद मित्रपुरा ,समग्र जैन युवा परिषद के अध्यक्ष अशोक बाँठिया, श्री दिगम्बर जैन मुनि संघ सेवा समिति के मुकेश जैन, रूपेन्द्र छाबड़ा, रमेश गंगवाल, मुकेश जैन रेलवे, पंकज जैन सहित बडी संख्या में जैन बन्धु शामिल हुए । प्रारम्भ में विनोद जैन कोटखावदा ने सभी का परिचय करवाया। मैडम ने सरकार द्वारा दी जा रही अल्पसंख्यक योजनाओं का समाज बन्धुओं द्वारा अधिकतम लाभ लेने तथा पूरे समुदाय में इन योजनाओं का प्रचार प्रसार कर मध्यम व निम्न आय वर्ग को हर प्रकार से प्रोत्साहित करने हेतु सभी को आव्हान किया।